BISHOP SCOTT BOYS' SCHOOL
(Affiliated to CBSE, New Delhi) Affiliation No.: 330726, School Campus: Chainpur, Jaganpura, By-Pass, Patna 804453.
Phone Number: 7061717782, 9798903550. ,
Web: www.bishopscottboysschool.com Email: info@bishopscottboysschool.com

Sarvada Sarva shreshth
HOLISTIC DEVELOPMENT

ONLINE STUDY MATERIAL
SUBJECT- HINDI GRAMMAR
SESSION-2020-21
CLASS-_5

CHAPTER No- 1
TOPIC: भाषा और व्याकरण

भाषा की परिभाषा - वह माध्यम जिसके द्वारा हम अपने मन के भावों तथा विचारों का आदान - प्रदान करते हैं, भाषा कहते हैं।
भाषा के दो रुप हैं – मौखिक भाषा और लिखित भाषा

(1)**मौखिक भाषा** - बोलना अर्थात मौखिक रूप ।यह भाषा का पहला रूप है ।इसमें बोलकर अपनी बात दूसरों तक पहुँचाई जाती है और दूसरा उसे सुनकर समझता है ।उदाहरण :-आपस में बातचीत करना ,मोबाइल या टेलीफोन से बात करना, गीत गाना आदि ।

(2)**लिखित भाषा** – लिखना अर्थात लिखित रूप ।यह भाषा का दूसरा रूप है। इसमें लिख कर अपनी बात दूसरों तक पहुँचाई जाती है और दूसरा उसे पढ़कर समझता है। उदाहरण :-समाचार पत्र, पुस्तक ,कंप्यूटर पर लिखा गया संदेश आदि।

भाषा के आधार पर इसके चार कौशल हैं--
सुनना , बोलना , पढ़ना , लिखना
सुनना और बोलना मौखिक भाषा के अंतर्गत आते हैं तथा पढ़ना और लिखना लिखित भाषा के अंतर्गत आते हैं।

प्रादेशिक भाषा:
हमारे देश में अनेक भाषाएँ बोली और समझी जाती हैं परंतु हिंदी भाषा सबसे अधिक बोली जाती है। इसी कारण हिंदी भारत की संपर्क भाषा है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष प्रजातांत्रिक देश है ,जिसमें विभिन्न प्रदेश हैं।इन प्रदेशों में अलग-अलग भाषा बोली व समझी जाती है।यही भाषा प्रादेशिक भाषा कहलाती है ।
यहाँ के संविधान में 22 भाषाओं को मान्यता दी गई है। कुछ राज्य और उनकी भाषाएँ नीचे दी जा रही हैं।

प्रदेश	भाषा
ओडिसा	उड़िया

कश्मीर	कश्मीरी
पंजाब	पंजाबी
गुजरात	गुजराती
पश्चिमी बंगाल	बंगाली
महाराष्ट्र	मराठी
केरल	मलयालम
कर्नाटक	कन्नड़

राष्ट्रभाषा :

किसी राष्ट्र में अधिकांश रूप से प्रयोग की जाने वाली भाषा राष्ट्रभाषा कहलाती है,और उसी भाषा में प्रशासनिक कार्य भी किया जाता है।भारत की राष्ट्रभाषा होने का गौरव हिंदी भाषा को प्राप्त हुआ है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार 14 सितंबर 1949 को हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया ।इसलिए 14 सितंबर को प्रतिवर्ष हिंदी दिवस मनाया जाता है।

लिपि - ध्वनियों को लिखने के लिए निश्चित चिह्न लिपि कहलाती हैं। लिपि भाषा को लिखने की एक पद्धति या तरीका है। लिपि के कारण ही अखबार ,पत्रिकाएँ, पुस्तकें आदि छप पाती हैं।
सभी भाषाओं की लिपियाँ अलग-अलग होती हैं ।कुछ भाषाओं की लिपि एक भी हो सकती है।

भाषा	लिपि
संस्कृत	देवनागरी
हिंदी	देवनागरी
मराठी	देवनागरी
अंग्रेजी	रोमन
पंजाबी	गुरुमुखी
उर्दू	फ़ारसी

व्याकरण :

बोलते, लिखते और पढ़ते समय यह जानना जरूरी है कि हम भाषा का शुद्ध रूप प्रयोग कर रहे हैं या नहीं, इसका ज्ञान हमें व्याकरण कराता है ;जैसे–

*मोहन बोला, मैं जाती हूँ ।

अनिकेत बोला,हम खाता है।

मोहन,अनिकेत ने बोलते समय गलतियाँ कीं ।

यह बात हमने कैसे जानी कि गलत बोला गया है?

यह बात हमने व्याकरण के नियमों से जानी ।

<u>व्याकरण की परिभाषा:</u> व्याकरण वह साधन है, जो हमें शुद्ध भाषा बोलना और लिखना सिखाता है|

व्याकरण के तीन मुख्य अंग हैं -
1.वर्ण विचार - इसमें वर्णों के उच्चारण और उनके लिखने का ढंग बताया जाता है।
2.शब्द विचार - इसमें वर्णों के मेल से बने शब्दों, उनके भेदों पर विचार होता है।
3.वाक्य विचार - इसमें वाक्य की रचना के नियम सिखाए जाते हैं।

<u>निम्नलखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए</u>:-

(क) भाषा किसे कहते हैं?

उत्तर—अपने भावों या विचारों को एक-दूसरे तक पहुँचाना ही भाषा कहलाता है।

(ख) भाषा के कितने रूप हैं? उनके उदाहरण भी दीजिए ।

उत्तर – भाषा के दो रूप हैं:-

(1) मौखिक भाषा –टी०वी० पर समाचार सुनना,दो बच्चों का आपस में बातचीत करना।

(2) लिखित भाषा - समाचार-पत्र पढ़ना, छात्रों द्वारा कविता लिखना ।

(ग) लिपि से आप क्या समझते हैं?

.उत्तर - ध्वनियों को लिखने के लिए निश्चित चिह्न लिपि कहलाते हैं ।लिपि भाषा को लिखने की एक पद्धति या तरीका है।

(घ) व्याकरण किसे कहते हैं?.

उत्तर– व्याकरण वह साधन है ,जो हमें शुद्ध भाषा बोलना और लिखना सिखाता है।